Essays in Nuclear Astrophysics

10. परमाणु बम

आज परमाणु बम से हर कोई परिचित है। इसका सबसे पहले अमेरिका ने प्रयोग किया था। जब द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था तब अमेरिका ने 6 अगस्त, 1945 को जापान के एक शहर हिरोशिमा पर परमाणु बम फेंका था, उसके बाद 9 अगस्त, 1945 को जापान के ही नागासाकी पर भी फेंका था जिससे हज़ारों लोगों की मृत्यु हुई थी। उस परमाणु बम का प्रभाव वहाँ आज भी है।

परमाणु बम की इस विनाशलीला के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने इससे बचने के लिए 'परमाणु अप्रसार संधि' बनाई। परंतु एक या दो देशों को छोड़कर उस पर किसी देश ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। पूरे विश्व में 9 ऐसे देश हैं जिनके पास परमाणु बम हैं। इनमें विश्व की पाँच महाशक्तियों के पास सर्वाधिक परमाणु बम हैं। ये पाँच महाशक्तियाँ हैं—अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन। आज छठवीं महाशक्ति भारत है। बस, उसे संयुक्त राष्ट्र संघ की अनुमति मिलना शेष है।

सर्वप्रथम द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने ब्रिटेन एवं कनाडा के सहयोग से परमाणु बम बनाया था और फिर उसे जापान पर छोड़ा भी था। तत्पश्चात् इन देशों ने हाइड्रोजन बम भी बनाए। ये बम इतने खतरनाक हैं कि कुछ ही घण्टों में ये पूरी दुनिया को नष्ट और तबाह कर सकते हैं। ये मनुष्य जाति के लिए वरदान नहीं, अभिशाप हैं।

पाँच महाशक्तियों के अलावा चार देश और हैं, जिनके पास परमाणु बम हैं। ये हैं—भारत, पाकिस्तान, उत्तरी कोरिया और इज़राइल। इस विनाशकारी हथियार को बनाने की होड़ (स्पर्धा) देखकर संयुक्त राष्ट्र संघ ने ईरान पर प्रतिबंध लगा दिया है। आजकल हर छोटे से छोटा देश परमाणु बम बनाने का इच्छुक है। हालांकि प्रत्येक देश यह हथियार अपने देश की सुरक्षा की दृष्टि से बनाने के लिए प्रयत्नशील है, परंतु इसके विनाशकारी प्रभाव को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अमेरिका इसके बनाने पर अन्य देशों पर प्रतिबंध लगा रहा है, क्योंकि वह इस बम की विनाशलीला देख चुका है।

आज अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और चीन के पास हज़ारों परमाणु बम हैं। रूस ने सन् 1949 में परमाणु बम का प्रथम परीक्षण किया, तो फ्रांस ने 1960 में किया था और चीन ने 1964 ई० में प्रथम परमाणु परीक्षण किया। फिर भारत ने भी चीन से अपनी सुरक्षा की दृष्टि से 1974 में परमाणु परीक्षण किया ताकि हमें कोई देश निर्बल समझने की भूल न करे। चीन और अमेरिका के अनेकों परमाणु परीक्षणों के पश्चात् भारत ने 1998 में पुनः परमाणु परीक्षण किया।

भारत से स्पर्धा करते हुए पाकिस्तान ने भी परमाणु परीक्षण किए। फिर नॉर्थ कोरिया ने भी 9 अक्तूबर, 2006 में परमाणु परीक्षण कर डाला। आज सीरिया, ईराक, अफगानिस्तान आदि सभी छोटे-छोटे देश परमाणु शक्ति को हासिल करना चाहते हैं। इसका कारण है, आज हर देश को अपने पड़ोसी देश से खतरा है। यह स्थिति अत्यंत खतरनाक और चिंताजनक है।

कल्पना करें, यदि दुनिया के सभी देशों ने परमाणु बम बना लिए तो विश्व में कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। इसलिए इस विनाशकारी हथियार को नष्ट कर देना ही मानव जाति के लिए हितकर होगा।

This collection of 23 articles reviews all the many aspects of nuclear astrophysics, from solar system abundances to particle physics in cosmology. The collection.Essays in Nuclear Astrophysics. To cite this article: D J Raine Phys. Bull. 34 View the article online for updates and enhancements. Related content.Title: Essays in nuclear astrophysics. Presented to William A. Fowler on the occasion of his seventieth birthday. Authors: Barnes, C. A.; Clayton, D. D.; Schramm.It comprises 23 invited papers on various aspects of nuclear astrophysics, the application of nuclear physics to all areas of astrophysics. At least one of the.Essays in Nuclear Astrophysics: Presented to William A. Fowler, on the Occasion of His Seventieth Birthday. edited by C.A. Barnes, D.D. Clayton, D.N. Schramm.Essays in Nuclear Astrophysics by C. A. Barnes, , available at Book Depository with free delivery worldwide.CAMBRIDGE UNIVERSITY PRESS, United Kingdom, Paperback. Book Condition: New. Revised ed.. x mm. Language: English. Brand New.the contributions (essays) to the III Astrophysics Simposium that took place at the detail on how the knowledge of the fundamental physics of thermonuclear.encompasses research in nuclear physics, astrophysics, astronomy, personal perspective on current trends in nuclear astrophysics and.Nuclear astrophysics is an interdisciplinary branch of physics involving close collaboration . (), Essays in Nuclear Astrophysics, Cambridge University Press, ISBN ; Jump up ^ Henri Becquerel (). "Sur les radiations.[PDF] Essays in Nuclear Astrophysics: Presented to William A. Fowler on the Occasion of His Seventieth Essays in Nuclear Astrophysics: Presented to William.I did not, contrary to legend: From Hans Bethe, My Life in Astrophysics, in Brown and of the Solar Neutrino Problem, in Essays In Nuclear Astrophysics, ed.A Dying Universe: The Long-term and Evolution of Astrophysical Objects. Reviews of Modern In Essays in Nuclear Astrophysics, ed. C. Barnes, D. Clayton.evolution and nuclear energy generation in stars. The particular development .. Problem, in Essays in Nuclear Astrophysics, ed. C. A. Barnes, D. D. Clayton.Barnes, Charles A., D.D. Clayton, D.N. Schramm, Essays in Nuclear Astrophysics : Presented to William A. Fowler, on the Occasion of his Seventieth Birthday.Reviewing Essays in Nuclear Astrophysics. By Charles A Barnes will certainly make you get even more sources and sources. It is a manner in.

[PDF] Shadow Sight: Ivy Granger, Psychic Detective Series
[PDF] Interkosmos: The Eastern Blocs Early Space Program (Springer Praxis Books)
[PDF] SOCIAL STUDIES 2003 PUPIL EDITION GRADE 5 BUILDING A NATION
[PDF] A Study Guide to Epidemiology and Biostatistics
[PDF] Magical Herbal Baths of Santeria
[PDF] Mazas, Jacques Fereol - Six Duets, Op 39, Book 1 - Two Violins - Edition Peters
[PDF] Der Kleine Bruder (German Edition)